by Governmen Railway Police and Railway Protection Force staff, three persons were arrested and some stolen bags were recovered.

(b) As a preventive measure, Railway Prootection Force and Government Railway Police staff have been deputed to patrol the affected area.

Railway Service Commissions

7212. Shri Rajdeo Singh: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) the total expenditure incurred on different Railway Service Commissions separately in the last three years;

(b) the total number of persons selected by these Service Commissions seperately in each year for the last three years;

(c) whether in view of the diminishing number of men recruited, Government propose to consider rationalisation of these Service Commissions; and

(d) if so, the details thereof?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha):

		1964-65	1965-66	1966-67
(*a*) Allahabad	Rs.	3,53,019	3,27,269	3,82,294
Bombay	Rs.	6,43,619	6,00,070	4,30,236
Calcutta	Rs.	5,31,420	5,33,301	5,22,101
Madras	Rs.	4,22,320	4,30,624	3,13,226
(*b*) Allahabad		3,825	1,952	3,498
Bombay		12,276	2,960	1,124
Calcutta		12,541	7,680	4,896
Madras		3,450	1,653	310

(c) and (d). Necessary action has already been taken. Instead of operating the full strength of one Chairman and two Members for each Commission, the Allahabad, Bombay and Calcutta Commissions are now having only one Member each besides the Chairman, the sceond Member's post being held in abeyanace. In the case of the Madras Commission, both the posts of Members have been kept unfilled. Further the strength of non-gazetted staff, in all the Commissions has been suitably reduced Further economies are being examined.

Salt industry in Contai Sub-Division of Midnapur

7213. Shri Samar Guha: Will the **Minister of Industrial Development and Company Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government are aware that salt-industry can be developed in the Contai sub-division of Midnapur District in West Bengal; and

(b) if so, whether Government propose to undertake any scheme to improve, expand and develop the salt industry there?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) Yes, Sir.

(b) The Government of West Bengal are at present having the areas developed under the small scale sector.

Cotton Grown in Dharwar District of Mysore

7214. Shri S. B. Patil: Will the Minister of **Commerce** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 4287 on the 30th June, 1967 and state:

(a) whether the Indian Central Cotton Committee was informed about the decision to include the cotton grown in the three Taluks of Kappal, Yelburgi and Kushigi of Raichur District, Mysore in the 1961-62 season in

'A' Class cotton grown in Dharwar District of Mysore State for the purpose of recognising the Koppal cotton press marks as 'A' Class cotton and if so, when; and

(b) whether in the interest of the cotton growers, this decision was publicised and if so, the details of the action taken in the matter?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

मिर्जापुर में सीमेंट का कारखाना

7215. **श्री स्वतन्त्र सिंह कोठारी :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री प्र० न० सोलंकी :

क्या **औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मिर्जापुर जिले में सीमेंट के कारखाने के लिए फार्म मशीनें देने के लिए सहमत हो गया है;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध की शर्तें क्या हैं; और

(ग) यह कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) (क) : जी, हां ।

(ख) जानकारी इकट्ठी की जा रही है और वह सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) 1968 के अंत तक ।

इस्पात की उत्पादन लागत

7216. **श्री क० मि० मधुकर :**
श्री रामावतार शास्त्री :

क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में हाल ही में इस्पात की उत्पादन लागत बढ़ गई है;

(ख) क्या उत्पादन लागत में हुई इस वृद्धि के कारण इस्पात उद्योग तथा व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इस्पात का मूल्य किस प्रकार स्थिर रखेगी, विशेष रूप से जबकि इसकी उत्पादन लागत बढ़ गई है, ताकि यह अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतियोगिता में ठहर सके तथा वहां उसकी मांग बनी रहे ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चन्ना रेड्डी) : (क) पिछले कुछ वर्षों में इस्पात की उत्पादन लागत में कुछ बढ़ोतरी हुई है ।

(ख) और (ग) लागत बढ़ने से उद्योग और व्यापार पर कोई खास बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा । मई 1967 में नियन्त्रण हटाये जाने के पश्चात् नयी कीमतें संयुक्त संयंत्र समिति ने निर्धारित की हैं । उत्पादकों ने आश्वासन दिया है कि वे एक साल तक कीमतों में कोई तबदीली नहीं करेंगे ।

निर्यात के मामले में हमारे निर्यातकों को प्रचलित निर्यात-मूल्यों पर माल देने में दूसरे संभरणकर्ताओं के साथ मुकाबला करना पड़ता है । ये मूल्य प्रायः बदलते रहते हैं । यह आवश्यक है कि कुछ माल के निर्यात के लिए नकद सहायता जारी रखी जाए ।

भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची

7217. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य** मंत्री 30 जून 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 859 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची, के उत्पादन सम्बन्धी विभाग में इस समय कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं;